IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, June 2019
Impact Factor: 4.819

efDrcks/k dh dfork (ykdr= dk ljkdkj

डॉ रमेश यादव

असि प्रोफेसर – हिंदी

राजकीय (स्नातकोत्तर) महाविद्यालय कैराना शामली

मुक्तिबोध ने स्वतंत्रता से पूर्व ही लेखन कार्य आरंभ किया था , जब देश आजाद तो नहीं हुआ मगर आजादी झलक मारने लगी थी । मुक्तिबोध की रचनाओं में इसलिए एक नवजात आधुनिक राष्ट्र के सपने और बाद में उन सपनों में दरकन के चित्र मिलते हैं । यह बात सही है कि हिंदी साहित्य में राष्ट्रवादी परंपरा भारतेंदु से मिलने लगती है और कमोबेश छायावाद में तक आते–आते अपने उभार पर पहुंचती है । लेकिन यह राष्ट्रीयता धर्म , परंपरा और नायक पूजा पर आधारित है । सिंह पर सवार हाथ में झंडा लिए हुए भारतमाता इस भाववादी राष्ट्रीयता का लोकप्रिय प्रतीक हैं। इस पुरानी राष्ट्रीयता ने कल्पित स्वर्णयुग के लोगों को , राजसत्ता के पात्रों को अथवा सत्ता सर्मथकों को अपना नायक बनाया है । चंद्रगुप्त , स्कंदगुप्त से लेकर निराला के तुलसीदास तक में यह प्रवृत्ति मिलती है । मुक्तिबोध की राष्ट्रीयता इस मायने में भिन्न है कि उन्होंने एक आधुनिक राष्ट्र के बारे में चिंतन किया है । उनकी राष्ट्रीयता किसी भाव वादी चिंतन की परिणति नहीं है। उनकी राष्ट्रीयता का आधार कोई गुप्त साम्राज्य नहीं है ,कोई शिवाजी नहीं है न हीं कोई अकाली सिक्ख है। उनकी राष्ट्रीयता के मूल में आधुनिकता है , स्वतंत्रता समानता और बंधुत्व के वह मूल्य हैं , जिन्होने मध्ययुगीन स्वेछाचारी राष्ट्रों के स्थान पर आधुनिक राष्ट्र राज्यों को जन्म दिया । साधारण शब्दों मे आधुनिक राष्ट्र वे राष्ट्र है , जिनमें शासक सुईं की नोक बराबर जमीन अपने बेटी शादी में दहेज के रूप में नहीं दे सकता है। इनका संचालन चंद्रगुप्त की वीरता अथवा चाणक्य की चातुर्यता से नहीं कानून और प्रावधानों से चलता है। आजादी के बाद देश के कर्णधारों ने भारत के लिए लोकतंत्र और आधुनिक राष्ट्र के निर्माण की उम्मीद की थी । मुक्तिबोध का समूचा रचनाकर्म इस आधुनिक राष्ट्रीयता के प्रोजेक्ट की पड़ताल है , इस की भविष्यवाणी भी , इसका स्वप्न भी है और इसका मोहभंग भी।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in